an>

Title: Need to take steps for early completion of North Koel Reservoir Project and other irrigation projects in Jharkhand.

श्री सुनील कुमार सिंह (चतरा) ः केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार बड़े बांधों के राष्ट्रीय रजिस्टर में वर्तमान में देश में 4857 निर्मित बड़े बांध हैं और 314 निर्माणाधीन बड़े बांध हैं लेकिन केंद्र एवं राज्य सरकारों में समन्वय के अभाव के कारण इन बांधों का सही रख-रखाव एवं समय पर मरम्मत नहीं होने के कारण कई बांधों का पूर्ण उपयोग नहीं हो रहा है। केंद्र सरकार का कहना है कि जल, राज्य का विषय होने के कारण जल संसाधान परियोजनाओं की आयोजना, निष्पादन, प्रचालन एवं रख-रखाव संबंधित राज्य सरकारों द्वारा उनकी आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के अनुसार किया जाता है। इसलिए केंद्र व राज्यों में समन्वय के अभाव के कारण योजनाएं लम्बित पड़ी रहती है।

झारखण्ड राज्य के लातेहार जिला के बरवाडीह प्रखण्ड स्थित उत्तर कोयल जलाशय परियोजना राज्य की एक महत्वपूर्ण बहुउद्देश्यीय सिंचाई परियोजना है। इस परियोजना का लाभ बिहार और झारखण्ड राज्य के विस्तृत असिंचित क्षेत्र को मिलेगा। वर्षा जल के अभाव से ग्रसित झारखण्ड के पलामू, लातेहार, गढ़वा जिलों एवं बिहार के औरंगाबाद और गया जिलों को इससे लाभ मिलेगा। साथ ही सौ साल से भी पुरानी सोन नहर सिंचाई प्रणाली जो जल अभाव के संकट से जूझ रही है, उसे भी पुनर्जीवजन प्राप्त होगा। इस परियोजना के पूरा होने पर झारखण्ड और बिहार दोनों राज्यों के 1 लाख 24 हज़ार हैक्टेयर भूमि को सिंचाई हेतु जल उपलब्ध होगा। लातेहार, पलामू और गढ़वा जलों में भूजल स्तर के निरन्तर ह्रास का भी प्रभावी निषेध होगा जिससे पेयजल समस्या का भी समाधान संभव हो सकेगा। साथ ही, 25 मेगावाट हाईडिल बिजली का उत्पादन होगा जो पर्यावरण की दृष्टि से सर्वाधिक उपयुक्त ऊर्जा का माध्यम है। उत्तर कोयल जलाशय परियोजना के पूर्ण होने से द्वितीय हरित क्रांति के स्वप्न को एक ठोस आकार मिल पायेगा। परंतु पिछले 40 वर्षों से अधिक समय बीत जाने के बाद भी आज तक यह परियोजना पूर्ण नहीं हो पाई है।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि उत्तर कोयल जलाशय, अमानत, औरंगा, कनहर, टहले, गरही, मुहाने, सोनरेखा, मलय तथा अजय सहित राज्य की सभी लम्बित परियोजनाओं को भी पूरा करने की दिशा में केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा समन्वय स्थापित कर शीघ्र सकारात्मक कदम उठाए जाएं और इन योजनाओं को पूरा किया जाए।